❊ तपोवनी बालक का जीवन घडतर ❊

शिक्षण के साथ संस्करण मीले उस प्रयोजन से आपने अपने लाडकवाये को तपोवन में भेजा, तो आपके बालक को यहाँ क्या-क्या मील रहा है ?

❊ पुण्योपार्जन करानेवाली अष्टप्रकारी पूजा एवं संध्याभक्ति ।
❊ पुण्योपार्जन करानेवाला सामायिक और मंत्रगर्भित सूत्रोका कंठस्थीकरण ।
❊ धार्मिक एवं नैतिक घडतर करनेवाली वाचना ।
❊ खुद निर्णय करने की क्षमता ।
❊ सामुहिक जीवन जीने की कला ।
❊ वक्तव्य-संगीत आदी आंतरीक शक्ति के विकास की यात्रा ।
❊ नवकारशी-चौविहार / तिविहार आदी का पच्चक्खाण ।
❊ अभक्ष्य खान-पान का त्याग ।
❊ पर्युषण की आराधना करवाने जाने के लिए तैयार होना ।
❊ राष्ट्ररक्षा, धर्मरक्षा एवं संस्कृति रक्षा के पाठ ।
❊ Outdoor-Indoor games द्वारा शारीरीक विकास ।
❊ मानवप्रेम, पशुप्रेम, वनस्पति प्रेम और श्रमप्रेम का पाठ ।
❊ दुनिया, देश, राज्य के वर्तमान प्रश्नो का बौद्धीक ज्ञान ।
❊ स्टेज प्रोग्राम की तालीम ।
❊ कोम्प्युटर का सचोट ज्ञान ।
❊ नेतृत्व शक्ति का विकास ।
❊ सभी जीवो के प्रति करुणाभाव ।
❊ पर्सनालीटी डेवलपमेन्ट ।
❊ गुरुवंदन - सत्संग ।

तपोवन में बचपन में मीले हुए यह संस्कार बच्चों के समग्र जीवन में परीवर्तन ला सकते है ।

❊ तपोवन विद्यालय Welcome समारोह ❊

दिनांक 11 जून को सभी बच्चे अपने Parents के साथ तपोवन प्रांगण में पधारे और पूरे दिन में तपोवनमें Set होने का प्रयास किया । दूसरे दिन 12 जून से School शुरु होनेवाली थी, और उसी दिन तपोवन विधालय परिवार की ओर से नये सत्र - नये वर्षमें स्वागत के रुप में Welcome समारोह का आयोजन किया गया । सबसे पहले पू. गुरुजी को गुरुवंदन करके सबने आशीर्वाद लीए । Std. 10th के बच्चों ने प्रार्थना करवाई । गृहपतिश्री भाविनभाई, मेनेजमेन्ट की ओर से श्री निमेषभाई और School से प्रिन्सीपाल श्री दिलीप दासजी के सजेशन और स्वागत शब्दो के बाद सभी बच्चो ने पू. श्री अनंतसुंदर विजयजी म.सा. से वासक्षेप एवं आशीर्वचन प्राप्त कीये । सभी बच्चोने Teachers एवं मोटाभाई-

मासीबा के आशीर्वाद प्राप्त कीये और पू. गुरुजी की और से हितशीक्षा प्राप्त की । अंतमें सभी School Teachers ने Welcome Card देकर बच्चो का स्वागत करके नये वर्ष के पहले दिन का अभ्यास शुरु किया ।

❊ पू. गुरुमा के शिष्य रत्नो के तपोवन में पावन पदार्पण एवं पू. गुरुजी का चातुर्मास प्रवेश ❊

तपोवन संस्कारधाम - नवसारी के बच्चो का प्रचंड पुण्योदय की नये सत्र की शुरुआत में बच्चों को आशीर्वाद से स्नान कराने हेतु पू. गुरुमा के शिष्यरत्न प.पू. आचार्यदेव श्री हंसकीर्ति सूरीश्वरजी म.सा., पू. हंसबोधी विजयजी म.सा., पं. श्री भव्यकीर्ति विजयजी म.सा., पं.श्री राजरक्षीत विजयजी म.सा., पू. नयरक्षीत विजयजी म.सा. आदी के पावन पर्दापण तपोवन की पावन भूमि पर हुए ।

समग्र तपोवन परिवार पू. गुरुवर्यो के सामैया हेतु बेन्ड के साथ पहुँचे । उसके साथ ही प.पू. गुरुमा की दिव्यकृपा और गच्छाधिपति श्री जयघोष सूरिजी के मंगल आशीर्वाद से मंगलकारी मुहूर्त मे प.पू. आचार्यदेव श्री जिनसुंदर सूरिश्वरजी म.सा. के शिष्यरत्न मुनिराज श्री अनंतसुंदर वि.म.सा., पू. मुनिराज श्री योगरुची वि.म.सा. एवं पू. मुनिराज श्री राजर्षि वि.म.सा. आदी का 5 वा चातुर्मास प्रवेश ठाठ से भव्यातिभव्य रुप से संपन्न हुआ ।

प.पू. आचार्यदेव श्री हंसकीर्ति सूरीश्वरजी म.सा. प्रखरज्ञानी एवं गुरुकृपापात्र है । वे हंमेशा दोनो तपोवन के संस्करण यज्ञ प्रज्वलित रखने हेतु प्रयत्नशील रहे है ।

प.पू.पं. श्री राजरक्षीत वि.म.सा. को प्रखर प्रवचनकार की उपमा दी गई है । वे भी तपोवन की विकासयात्रा को आगे बढाने में हंमशा प्रयत्नशील रहे है ।

प.पू. मुनिराज श्री हंसबोधी वि.म.सा. ने कटोकटी के समय में नवसारी तपोवन मे बिराजमान होकर तपोवन-नवसारी को सुरक्षीत बनाया । उनके चार चातुर्मास में उन्होने 40 चातुर्मास जैसा काम किया । उनको गुरुभक्तोने तपोवन के, ‘‘कमाउँ बेटे’’ की उपमा दी ।

बच्चो के प्यारे पू. अनंतसुंदर वि.म.सा. जो पांच-पांच साल से बच्चो के जिवनमें मैत्री का पानी-भक्ति का बीज बो कर पवित्रता के पुष्प उत्पन्न कर रहे है, उनका चातुर्मास प्रवेश होने पर समग्र तपोवन परीवार के मुख पर प्रसन्नता का तेज छा गया ।

पू. गुरुमा के पवित्र पुंज से Charge तपोवन पू. गुरुवर्या के पावन पर्दापण से Re-charge हो गया । सब के उर मे आशा है की पू. गुरुवर्यो के पास ज्ञान की गंगा में स्नान करके भावि के Star बनेंगे ।

मन में मनोरथ है की राष्ट्र-धर्म एवं संस्कृति रक्षा के Lessons शीखकर कुछ कर बतायेंगे ।

दिल में अरमान है कि हम हमारा, हमारे परिवार का, तपोवन का और जिनशासन का नाम जग में रोशन करेंगे ।

सभी तपोवन परिवार के सदस्य खुद को भाग्यवान मान रहे थे की पू. गुरुमा के श्रेष्ठ शिष्य-प्रशिष्य के आशीर्वाद एक साथ प्राप्त हुए ।